अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में आज दिनांक 6 मार्च 2019 को संस्कृत विभाग के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व में समय–समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। इसी श्रृंखला में शीर्षक 'संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान' पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. दया शंकर तिवारी को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। डॉ. तिवारी ने संस्कृत की वैज्ञानिकता पर अपने विचार विद्यार्थियों से साँझा किए। संस्कृत साहित्य के विभिन्न पहलुओं जैसे संस्कृत में गणित, संस्कृत में आयुर्वेद, संस्कृत में कृषि विज्ञान, संस्कृत में पर्यावरण इत्यादि पर प्रकाश डाला। डॉ. तिवारी ने संस्कृत भाषा को संस्कार अर्थात नैतिकता का अनूठा संबंध बताया और साथ ही विदेश में संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार को स्पष्ट करते हुए नासा द्वारा कम्प्यूटरार्थ सर्वश्रेष्ठ भाषा होने का गौरव विद्यार्थियों के साथ साँझा किया। व्याख्यान के उपरान्त विद्यार्थियों ने प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा अतिथि के समक्ष रखी। अतिथि महोदय ने बडी प्रसन्नता और सहजता के साथ सभी प्रश्नों का उत्तर दिया। प्राचार्य जी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इतने आधुनिक विषय पर चर्चा निश्चित ही आपकी उन्नति में सहायक होगी। महाविद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. रामचन्द्र भी इस मौके पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ. पूजा सैनी की देखरेख में किया गया।